अपने नेता अखिलेश यादव सत्ता में आए तो 2000 एकड़ में बसायेंगे विष्णु नगर

चंद्रभूषण यादव

मैं अभिभूत हूँ या स्तब्ध क्या बताऊँ,कुछ नही कह पा रहा क्योकि अंतत: नि:शब्द हूँ? गजब वंचित समाज के लोगों! गजब! क्योकि अपने बहुजन समाज के नेता श्री अखिलेश यादव जी को यदि पुन: सत्ता मिल गयी तो वे इटावा के लाइन सफारी के पास 2000 एकड़ जमीन पर भगवान विष्णु के नाम पर "विष्णु नगर" व कम्बोडिया के अंकोरवाट विष्णु मन्दिर की तरह विशाल विष्णु मंदिर बनवाएंगे।

बहुत सही है राम मंदिर का जबाब विष्णु मंदिर ही है,कोई मण्डल,आरक्षण, भागीदारी,समता,समानता का कॉन्सेप्ट राममंदिर का जबाब हो ही नही सकता।राम और कृष्ण या बुद्ध भी विष्णु के ही तो अवतार हैं।अब मूल पकड़ना ही बेहतर रहेगा।हमारे विदेश से इंजीनियरिंग पढ़कर भारत आये सुशिक्षित बहुजन नेता श्री अखिलेश यादव जी इतनी न इंजीनियरिंग पढ़े हैं कि वे राम को विष्णु से काटने की युगत सोच लिए हैं,ऐसी शार्प सोच अब तक किसी बहुजन नेता की नही रही है।ज्ञातव्य है कि अहीर कृष्णवंशी है और कृष्ण भी विष्णुवतार ही हैं इसलिए विष्णु मंदिर बन जाने से एक साथ राम और कृष्ण दोनों को साधने का इंजीनियर दिमाग लगा दिया है अपने समाजवादी नेता अखिलेश यादव जी ने।

जब हरि-हरि अर्थात विष्णु-विष्णु कहने मात्र से ही भवसागर पार हुवा जा सकता है तो फिर पढ़ने-लिखने या श्रम करने की जरूरत ही क्या है? विष्णु मंदिर बनवाइये और चमत्कार से अपने प्रदेश व जन-जन की जेब भरवा जाइये।

विष्णु कौन थे? विष्णु एक आर्य पुरुष थे जिन्हें कल-छल दोनों में महारत हासिल था। विष्णु ने बामन रूप धर राजा बलि को मारा,नरसिंह रूप धर हिरणकश्यप को मारा, वराह अवतार ले हिरण्याक्ष को मारा। विष्णु ने कथित तौर पर मत्स्य,कूर्म, परशुराम, राम,कृष्ण,बुद्ध व कल्कि का भी अवतार लिया।विष्णु ने समाज हित मे ये दशावतार लिए है।

विष्णु ने अनार्य राजा जालन्धर की पत्नी बृंदा का सतीत्व भंग किया।विष्णु ने दानव राज शंखचूड़ की पत्नी तुलसी का सतीत्व भी भंग किया।विष्णु की लीला निश्चय ही अपरम्पार है।यदि विष्णु का मंदिर बन जाये व विष्णु नगर बस जाय तो क्या पूछना? पूरा नगर व नगर वासी विष्णु जैसे चरित्रवान हो देश मे एक नए किस्म का चरित्रवान समाज बनाएंगे जिसकी चर्चा निश्चय ही पूरी दुनिया मे होगी।

हिरणकश्यप कहता था कि काहे का विष्णु,काहे का हरि? मैं ज्ञान-विज्ञान में

मैं अखिलेश यादव जी के इस विष्णु नगर व कम्बोडिया के अंकोरवाट जैसे विष्णु मंदिर बनाने के वैज्ञानिक, अभियंत्रिकी युक्त 21 वीं सदी के शानदार सोच के लिए अभिनन्दन करता हूँ, लानत है!

विस्वास करता हूँ। मैं किसी विष्णु को भगवान नही मान सकता। मैं हरि-हरि नही कह सकता तो विष्णु ने हिरणकश्यप के बेटे प्रह्लाद को मिलाकर और उसे अपना गुलाम बनाकर अपने मुंह पर बाघ का मुखौटा लगाकर भेष बदल कर हिरणकश्यप को मार डाला।विष्णु ने बामन का भेष पकड़ वायदा कराके तीन पग में राजा बलि का सिंहासन ही माप लिया और सत्ताच्युत कर बलि की हत्या कर डाला। विदित हो कि कथित तौर पर विष्णु के अवतार कृष्ण के बेटे प्रद्युम्न के बेटे अनिरुद्ध की शादी राजा बलि के बेटे बाणासुर की बेटी उषा से हुई थी। ऋग्वेद के मतानुसार कृष्ण एक असुर थे जिनकी हत्या इंद्र ने यमुना नदी के किनारे किया था जो ऋग्वेद के मण्डन-1 के सूक्त - 101,130, मण्डन-8 के सूक्त- 96 में उल्लिखित है।

अखिलेश यादव जी प्रहलाद से सीख ले विष्णु नगर बसाने जा रहे हैं क्योंकि भाजपा नरसिंहावतार की तरह रामावतार से समाजवादी पार्टी का वध करना चाहती है। अखिलेश यादव जी विष्णु के किसी अवतार की बजाय अवतार लेने वाले विष्णु को ही अपना आइकॉन बनाने की सफल चाल चल विष्णु रूपी मोहरे से मार करने की युक्ति निकाले हुई हैं जिसकी हमे दाद देनी चाहिए।

विष्णुनगर,परशुरामनगर,हनुमाननगर, राणाप्रताप नगर,रामनगर आदि नगरों में राम,हनुमान,विष्णु,परशुराम आदि की खूबसूरत मूर्तियां हमारे इंजीनियर नेता श्री अखिलेश यादव जी भव्य तरीके से सरकार में आने के बाद सरकारी कोष से बनवाएंगे।यूपी के सरकारी इंजीनियरों के दल को कम्बोडिया भेजकर वहां के अंकोर वाट जैसे मन्दिर की तर्ज पर यूपी में बहुजनो की गाढ़ी कमाई से भरे गए कोष से विष्णु मंदिर बनवाएंगे और उसमे सैकड़ो पुरोहित रोजी पाकर अखिलेश यादव जी का यशोगान गाएंगे तथा दक्षिणा ले प्रसाद देकर यूपी के दलित-पिछडो का भाग्य बनाएँगे। अब यूपी के दलित-पिछडो को पढ़ने की कोई जरूरत न होगी क्योंकि विष्णु-विष्णु,हरि-हरि कहते हुए उन्हें सारी भौतिक सुविधाएं मिल जाएंगी।

अब इससे अच्छा क्या होगा कि 2000 एकड़ जमीन में अपने दादा श्री सुघर सिंह यादव या अपने पिता श्री मुलायम सिंह यादव या अपनी माता श्रीमती मालती देवी जी के नाम पर दुनिया का सर्वश्रेष्ठ विश्वविद्यालय बनाकर उसमें दुनिया के सारे विषयो की पढ़ाई का इंतजाम कर यूपी के वंचितों के बेटों को ज्ञान से सिंचित करने का इंतजाम करने की बजाय चुटकी बजाते हुए विष्णु नगर में अंकोरवाट जैसे मन्दिर में विराजमान भगवान विष्णु का प्रसाद ले सारे वंचित लोगो को धन-धान्य पूर्ण कर दिया जाय?

मैं अखिलेश यादव जी के इस विष्णु नगर व कम्बोडिया के अंकोरवाट जैसे विष्णु मंदिर बनाने के वैज्ञानिक,अभियंत्रिकी युक्त 21 वीं सदी के शानदार सोच के लिए अभिनन्दन करता हूँ और आजम खांन साहब के द्वारा उम्दा मस्जिद न बनाने व अत्याधुनिक जौहर विश्वविद्यालय बनाकर मुसलमानों सहित अन्य लोगो को शिक्षा रूपी शेरनी का दूध पिलाने के षड़यंत्र की भर्त्सना करता हूँ।

जानदार अखिलेश!शानदार अखिलेश!वैज्ञानिक सोच के अखिलेश! हरि-हरि,विष्णु-विष्णु बोलतेअखिलेश!जय-जय अखिलेश!!.

मोदी ने पूछा सवाल, मुझसे इतनी नफरत क्यों?

देवदन चौधरी ने दिया मुंह तोड़ जवाब

दरअसल पीएम मोदी ने प्रश्न पूछते हुए कहा था कि आखिर मुझसे इतनी नफरत क्यों है?

लोगों का मुझ पर भरोसा करना गलत है क्या?

साथ ही उन्होंने कहा था कि, क्योंकि मैं एक गरीब परिवार में पैदा हुआ हूं, क्योंकि मैं निचली जाति से आता हूं?

क्योंकि मैं एक गुजराती हूं?

क्या सिर्फ यही वजह है कि वो लोग मुझसे नफरत करते हैं।

पीएम मोदी के इन सवालों का फेसबुक पर देवदन चौधरी नामक फेसबुक यूजर ने काफी कड़ा उत्तर दिया है। इस शख्स ने अपने उत्तर पीएम मोदी से नफरत के 22 कारण बताए हैं जिसको सोशल मीडिया पर काफी बड़ी संख्या में लोग लाइक और शेयर कर रहे है.

देवदन चौधरी ने 22 कारण बताते हुए लिखा है --

1. डिमॉनेटाइजेशन से भारत की अर्थव्यवस्था को बर्बाद करने और फिर उसकी जिम्मेदारी नहीं लेने के लिए।
2. संगठित ध्रुवीकरण के माध्यम से संस्कृति को नष्ट करने के लिए-न सिर्फ धार्मिक, बल्कि क्षेत्रीय, भाषाई और सांस्कृतिक भी।
3. हिंदू धर्म / सनातन धर्म की गहन शिक्षाओं को नष्ट करने के लिए।
4. नकली राष्ट्रवाद की जड़ें जारी रखने के लिए आपका काम और नीतियां केवल भारत को नुकसान पहुंचा रही हैं।
6. झूठे वादे जो हर रोज कई चैनलों के माध्यम से फैलाए जा रहे हैं।
7. भारतीय संविधान के सिद्धांतों का उल्लंघन करने के लिए।
8. डेम-फेनिंग मीडिया और संस्थानों द्वारा लोकतंत्र के खंभे को नष्ट करने के लिए जो सत्य और न्याय के किसी भी प्रकार की पेशकश करने के लिए महत्वपूर्ण हैं।
9. लोगों की आवाज सुनने के बजाए जबरन धमका कर निर्देश लागू करने के लिए।
10. नफरत को बढ़ावा देने के लिए।
11. स्वतंत्रता को रोकने के लिए हर तरीके की चाल चली गई।
12. 2014 से सभी मानव विकास अनुक्रमितों को डूबाने के लिए।
13. नकली नैतिकता का खेल खेलने के लिए।
14. जो लोग आपसे सवाल पूछना चाहते हैं, उनसे बचने के लिए, सरकार में आने के बाद अब तक कोई प्रेस कॉन्फ्रेंस नहीं हुई है।
15. जनसंपर्क, प्रचार, घटनाओं और प्रचार पर ध्यान केंद्रित करने के लिए, लेकिन राष्ट्र के वास्तविक मुद्दों पर नहीं।
16. भारत की पारंपरिक विदेश नीति को 'गैर-गठबंधन' तरीके से बर्बाद करने के लिए।
17. भाषण के माध्यम से- नफरत और लालच फैलाने के लिए।
18. अपने आस-पास चापलूस रखने के लिए, जिन्हें गवर्नेंस का बिलकुल भी ज्ञान नहीं।
19. महान विचारों/गलत प्राथमिकताओं के बारे में जुनूनी होने के लिए और वितरित करने में असफल रहने के लिए।
20. सामाजिक न्याय को नजरअंदाज करके 'विकास' के अर्थ को गलत तरीके से पेश करने के लिए।
21. अमीरी के लिए गरीब और मध्य वर्ग लोगों पर भार डालने के लिए।
22. लोगों का भरोसा तोड़ने के लिए।

और आप पूछ रहे हैं कि 'लोग आपसे नफरत क्यों कर रहे हैं?'

राफ़ेल मामले में कांग्रेस को अपनी जुबान और खोलनी चाहिए

गिरीश मालवीय

अनिल अंबानी की राफेल के मामले में हिम्मत इतनी बढ़ गयी है कि वह कांग्रेस को लीगल नोटिस भेज रहे हैं। उनका कहना है कि कांग्रेस अपनी जुबान काबू में रखे। सच मानिये इस मामले में कांग्रेस की गलती यही है कि उसने सिर्फ रॉफेल डील पर ही क्यों सवाल उठाए हैं। दरअसल अनिल अंबानी की कम्पनी रिलायंस डिफेंस की हर डील में खुला भ्रष्टाचार दिखाई देता है जो मोदी सरकार के साथ के बिना संभव ही नही था, इसलिए कांग्रेस को तो हर डील पर सवाल उठाने चाहिए थे।

अम्बानी राहुल को पत्र लिखकर बोलते हैं कि भारत जो 36 राफेल जेट विमान फ्रांस से खरीद रहा है, उन विमानों के एक रुपये मूल्य के एक भी कलपुर्जे का विनिर्माण अम्बानी समूह द्वारा नहीं किया जाएगा।

यह सरासर झूठी बात है सच तो यह है कि रिलायंस डिफेंस लि. अनिल अंबानी ग्रुप व फ्रांस की कंपनी थेल्स के बीच एक समझौता किया गया था और यह समझौता सिर्फ इसीलिए किया गया था कि थेल्स फ्रांस की रॉफेल विमान निर्माता कम्पनी डेसाल्ट एविएशन को रडार, इलेक्ट्रानिक युद्धक उपकरण व सॉफ्टवेयर सप्लाई करने का काम करती है। और इसी समझौते के तहत रिलायंस के साथ मिलकर थेल्स 'मिहान-नागपुर विशेष आर्थिक जोन' यानी धीरूभाई अंबानी एयरोस्पेस पार्क (DAAP) में युद्धक उपकरण बनाने पर काम कर रही है। थेल्स कंपनी ने अपने तीन सौ कर्मियों को भारत में तैनात किया है।

अब थेल्स कम्पनी से समझौता रिलायंस ने भटे बघारने के लिए तो किया नही था तो कांग्रेस इस बात को सामने क्यो नही लायी ?

इस रिलायंस डिफेंस ओर उससे मोदी जी के प्रेम की कथा में सिर्फ 10 हफ्तों के भीतर 289 एकड़ जमीन रिलायंस डिफेंस को अलॉट की गयी। स्वयं अनिल अंबानी स्वीकार करते हैं कि "There will be a long journey for development of Nagpur and Vidharba region. We started on June 16, 2015 with first presentation and in less than 10 weeks we got the land. This is a record."

यानी सिर्फ 10 हफ्तों से भी कम समय में नागपुर जैसी जगह पर अम्बानी को 289 एकड़ जमीन धीरूभाई अंबानी एयरोस्पेस पार्क (DAAP) लिए दे दी जाती है।

तो ये कांग्रेस को पूछना चाहिए था कि ऐसा क्यों है? क्या उसने कभी यह पूछा? इसलिए अम्बानी उन्हें आज लीगल नोटिस भेज रहे हैं तो सही ही कर रहे हैं! एक ऐसे समूह को ये जमीन दी गयी जिसके ऊपर एक लाख करोड़ से ऊपर का कर्ज है, जिसमें से 45 हजार करोड़ का जो कर्ज रिलायंस कम्युनिकेशन को दिया गया था, वह लगभग डूब चुका है।

सन 2015 से 2016 के बीच 35 डिफेंस से संबंधित लाइसेंस रिलायंस डिफेंस को मिलते हैं जिसमें 12 लाइसेंस 3 दिसंबर 2015 को एवं 16 लाइसेंस एक साथ 5 मई 2016 को दे दिए जाते हैं जबकि उसका हथियार बनाने के मामले में कोई अनुभव नही है।

कहा गया कि डिफेंस सेक्टर में पहली बार भारत की किसी प्राइवेट कंपनी द्वारा बने वारशिप्स को नोसेना में शामिल किया गया और यह वॉरशिप अम्बानी ने बनाए थे। लेकिन सच बात तो यह है कि अम्बानी ने भारत सरकार का एक उद्यम पिपावा डिफेन्स एंड ऑफशोर इंजीनियरिंग कंपनी लिमिटेड को ओनेपोने दाम पर मोदी जी की मदद से खरीद लिया। उन वॉरशिप को सरकारी कम्पनी ने तैयार किया था, उस पर अम्बानी ने सिर्फ अपना ठप्पा लगाया और मनमानी कीमतों पर उसे मोदी सरकार को बेच दिया।

क्या इस घोटाले पर कांग्रेस ने कभी कुछ देश को बताया ? इसलिए बिल्कुल अम्बानी द्वारा कांग्रेस पर मुकदमा ठोका ही जाना चाहिए!

कांग्रेस कहती है कि मोदी जी का हाथ अनिल अंबानी पर है इसलिए उसे फ्रांस में डेसाल्ट वाली डील मिल गयीं लेकिन वह रिलायंस डिफेंस ओर रूस की कंपनी अलमज़अन्ते के साथ लगभग 42 हज़ार करोड़ के समझोते पर सवाल नहीं उठाती? आखिरकार यह सौदा भी तभी फाइनल हुआ जब मोदी दिसम्बर 2015 में रूस के दौरे पर जाते हैं।

तो यदि फ्रांस के सौदे पर आप सवाल उठा सकते हो तो रूस के साथ हुए इस सौदे पर सवाल क्यो नही उठाए ? अच्छा रूस और फ्रांस को भी छोड़िए आपको अपने PA के काल मे हुआ टाट्रा ट्रक घोटाला तो याद होगा जिसमें आप के रक्षा मंत्री एंटनी तक फसने वाले थे? क्या आप नही जानते थे कि चेक रिपब्लिक स्थित ट्रक मेकर, टाट्रा भारत के डिफेन्स मार्केट में रिलायंस डिफेन्स के साथ पार्ट्नरशिप में आने की योजना बना रहा है।

आपने उस पर आवाज उठायी ? इसलिए जो अनिल अंबानी आप पर मुकदमा करने की धमकी दे रहे हैं वो बिल्कुल ठीक कर रहे हैं। कांग्रेस ऐसे ही मुकदमे के लायक है।

शर्म आना चाहिए .....अम्बानी को नही कांग्रेस को, जिसने 50 साल देश मे शासन किया हो आज उस पर एक लाख करोड़ का लोन डुबोने वाला हरामखोर उद्योगपति जुबान बन्द रखने और मुकदमा दर्ज करने की धमकी दे रहा है।